छत्तीसगढ़ राज्य में लाफार्ज एवंअंबुजा सीमेंट इकाईयों का वित्तीय प्रबंध परतुलनात्मक अध्ययन

रत्नाकर पाण्डेय(शोधार्थी)
एम.कॉम, बी.पी.एड
पं.सुदरलाल शर्मा (मुक्त)
विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़,
बिलासपुर

डॉ. दिलीप शुक्ला (प्राचार्य)
शास.जाज्वल्य देव नवीन कन्या
महाविद्यालय जांजगीर (छ.ग.)

सारांश छत्तीसगढ़ राज्यमें सीमेंट उद्योग का वित्तीय प्रबंध लाफार्ज एवं अम्बुजा सीमेंट फैक्ट्री का तुलनात्मक अध्ययन है। जिसमें जांजगीर जिले एवं बालौदा बाजार जिले में स्थापित लाफार्ज एवं अम्बुजा सीमेंट उद्योगों का आधारभूत परिचय एवं वित्त से संबंधित समस्त पहलुओं पर अध्ययन किया गया है।प्रस्तुतअध्ययनकार्य के हेतु आवश्यक समंकों को प्राथमिक व द्वितीयक दोंनों ही स्रोतों से एकत्रित किया गया है। प्राथमिक समंको प्राप्ति के लिए साक्षात्कार, अवलोकन पद्धति का प्रयोग किया गया है।

द्वितीयक समंको की प्राप्ति के लिए प्रकाशित पॉच वार्षिक प्रतिवेदन, पत्र–पत्रिकाओं के साथ ही सीमेंट उत्पादन कंपनी के वेबसाइड से जानकारी प्राप्त की गई है।प्रस्तुतअध्ययनमें संस्थान के वित्तीय विवरणों का तुलनातमक विश्लेषण एवं अनुपात विश्लेषण के आधार पर उद्योग के वित्तीय नियंत्रण का परीक्षण किया है इसअध्ययनके आधार पर यह पायागया हैकि लाफार्ज सीमेंट संयंत्र कंपनी की वित्तीय प्रबंध अंबुजा सीमेंट संयंत्र की तुलना में बेहतर है।

Copyright © 2020Authors

(1) प्रस्तावनाः—

किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिये भवन, सड़क, पुल आदि विनिर्माण कार्यों की व्यापक स्तर पर आधारभूत आवश्यकता होती है। छोटे से छोटे कारखाने से लेकर विशालकाय बहुउद्देशीय योजनाओं तक प्रत्येक के निर्माण में सीमेंट एक अनिवार्य तथा प्राथमिक सामग्री है। सभी औद्योगिक ईकाइयों की स्थापना, में सीमेंट उस ईकाई की एक मूल ढ़ांचागत आवाश्यकता होने के कारण इस औद्योगिक युग में एक महत्वपूर्ण उद्योग है।

हमारे देश में विभिन्न प्रकार के उद्योग विकसित है इन उद्योंगो में सीमेंट कारखाने का महत्वपूर्ण स्थान है, जो औद्योगिक अर्थव्यवस्था के अंतर्गत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे है। इसी तारतम्य में देश के छत्तीसगढ़ राज्य में सीमेंट कारखानों की स्थापना हुई। जो इस क्षेत्र के विकास में योगदान दे रहे है। इनसे रोजगार के अवसरों में पर्याप्त वृद्धि हुई है, यहाँ की प्राकृतिक संपदा का दोहन होने लगा है, तथा सीमेंट की पर्याप्त उपलब्धता के कारण प्रत्येक क्षेत्र के निर्माण कार्यों में विकास हो रहा है।

(2) छत्तीसगढ़ में सीमेंट उद्योग :—

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित होने वाला पहला कारखाना जामुल सीमेंट वर्क्स था। यह 1965—65 में एसीसी लिमिटेड की एक इकाई के रूप में दुर्ग जिले में 1.58 मिलियन टन उत्पादन क्षमता के साथ स्थापित है। इसके अतिरिक्त 1969 में सीमेंट कारपोरेशन ऑफ इण्डिया का एक कारखाना माढ़र, जिला रायपुर में लगाया गया। वर्तमान में इस इकाई में

Copyright © 2020Authors

उत्पादन बंद है। छत्तीसगढ़ में सीमेंट की यात्रा की शुरूआत 1964 से हुयी तथा 1992 तक यहॉ पर 9 बड़े सीमेंट के कारखाने स्थापित हो गये। सी.सी.आई के दो कारखाने बंद होने के बाद सात बड़े कारखाने सेंचुरी सीमेंट, ग्रासिम सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट , अंबुजा सीमेंट, एसीसी सीमेंट के एक –एक कारखाने लाफार्ज सीमेंट के दो कारखाने संचालित है।

सारणी कमांक 1

छत्तीसगढ़ में स्थापित सीमेंट इकाईयों की वार्षिक उत्पादन क्षमता

क्र.	कंपनी का नाम	स्थान	वार्षिक उत्पादन क्षमता (मि.टन)
1	एसीसीलिमिटेड	जामुल	1.58
2	सेन्चुरी टेक्सटाइल एण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड	तिल्दा	1.80
3	ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड	रायपुर	2.06
4	सी.सी.आई. लिमिटेड	अकलतरा	0.40
5	सी.सी.आई.लिमिटेड	मांढर	0.38
6	लाफार्ज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	गोपालनगर	1.60
7	अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड	हिरमी	1.60
8	अंबुजा सीमेंट ईस्टर्न लिमिटेड	भाटापारा	1.00
9	लाफार्ज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	सोनाडीह	0.40
	कुल		10.82

लाफार्ज सीमेंट उद्योग का परिचय

लाफार्ज सीमेंट उद्योग रेमण्ड उलन मिल लिमिटेड मुंबईकी एक ईकाई जो कि जांजगीर जिले के गोपाल नगर आरसमेटा ग्राम में अकलतरा के पास स्थित है। लाफार्ज सीमेंट उद्योग बिलासपुर से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। लाफार्ज सीमेंट उद्योग की उत्पादन क्षमता 44.4 लाख टन प्रतिवर्ष है। लाफार्ज सीमेंट उद्योग 43

Copyright © 2020Authors

हजार टन क्षमता की एक किलन है। लाफार्ज सीमेंट उद्योग आधुनिक तकनीक पर आधारित सुसंचालित संयंत्र है।

लाफार्ज सीमेंट उद्योग जिसकी उत्पादन क्षमता 2000 से 2003 तक 44 लाख टन की से बढ़कर 2004–05 में 55 लाख टन हो चुकी है। लाफार्ज सीमेंट उद्योग प्रति वर्ष अपने उत्पादन क्षमता में वृद्धि करता जा रहा है।

अंबुजा सीमेंट उद्योग का परिचय

अंबुजा सीमेंट लिमिटेड जो मोदी ग्राम रवान जिला रायपुर में स्थित है कि शुरूआत लगभग 128 करोड़ रूपये से हुई थी। प्लांट से बलौदाबाजार जिला जिसके अन्तर्गत यह आता है कि दूरी लगभग 95 कि.मी. हैं अंबुजा सीमेंट लिमिटेड भाटापारा से लगभग 20 किमी की दूरी पर बलौदा बाजार रोड जो कि मुख्य सड़क है पर स्थित है।

(3) साहित्य समीक्षा

सीमेंट उत्पादन कम्पनी में वित्तीय प्रबंध की अवधारणा अपेक्षाकृत नवीन होने के कारण विशिष्ट रूप से इस पर कार्य नहीं हुआ है, सीमेंट इसके अलावा वित्तीय प्रबंध पर भी कुछ शोध कार्य हुये है, इनमें से कुछ का संक्षिप्त परिचय निम्न है।

जी.के. शिम. और जेग सिगल ने ''फाइनेन्शियल मैनेजमेंट'' शीर्षक के अंतर्गत अपने शोध मे ंवित्तीय प्रबंध के अंतर्गत अंडर स्टेडिंग फाइनेन्शियल स्टेटमेंट, फाइनेन्शियल फोरकास्टिंग एण्ड बजटिंग, एनालाइजिंग फाइनेन्शियल स्टेटमेंट अंडरस्टेडिंग रिटर्न एण्ड रिस्क वाल्विंग स्टॉक एण्ड बांडस, कास्ट ऑफ केपिटल, लांग टर्म इक्विटी

Copyright © 2020Authors

फाइनेन्शिंग, डिविडेंट पालिसी, फेलर एण्ड रिकोग्नाईजेशन और इन्टर नेशनल फाइनेंस इत्यादि विषय वस्तु का अध्ययन किया है।

डॉ. एम.डी. अग्रवाल और डॉ. एन.पी. अग्रवाल ने अपने वित्तीय प्रबंध शीर्षक के अंतर्गत वित्तीय प्रबंध के उद्‌देश्य, वित्तीय नियोजन, वित्तीय विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों का तुलनात्मक वित्तीय विवरण अनुपात विश्लेषण, समान आकार वित्तीय विवरण, प्रवृत्ति विश्लेषण, कोष प्रवाह विवरण, रोकड़ प्रवाह विवरण, पूंजी बजटन की लागत, वित्तीय आवश्यकताओं का निर्धारण, दीर्घकालीन वित्त के विभिन्न स्त्रोत, कार्यशील पूंजी के प्रबंध, वित्तीय पूर्वानुमान, वित्तीय विवरण व वित्तीय विश्लेषण के सभी महत्वपूर्ण आधुनिक तकनीकों का वित्तीय विवेचन किया है।

एम. वाय खान और पी.के. जैन ने फाइनेन्शियल मैनेजमेंट शीर्षक के अंतर्गत इसे कई भाग में डिवाईड किया है। फाऊडेशन ऑफ फाइनेंस में उससे संबंधित डिसीप्लीन, स्कोप, आब्जेक्टिव, फंक्शन, इमरजिंग रोल ऑफ फाइनेंस मैनेजमेंट, इन इंडिया, टाईम वेल्यू ऑफ मनी, रिस्क एण्ड रिटर्न वेल्यूवेशन ऑफ बांड एण्ड शेयर आदि के बारे में बताया गया है। इसी प्रकार फाइनेंशियल एनालिसिस प्राफिट प्लानिंग एण्ड कंट्रोल में केश फ्लो स्टेटमेंट, फाइनेंशियल स्टेटमेंट, एनालिसिस, वाल्यूम–कास्ट एनालिसिस, बजटिंग एण्ड प्राफिट प्लानिंग का अध्ययन किया गया है।

सीमेंट उद्योग का मूल्यांकन (लाफार्ज व अंबुजा संयंत्र के संदर्भ में) शीर्षक के अंतर्गत अपने शोध कार्य में यह अध्ययन किया है, कि वर्तमान वैज्ञानिक युग में सीमेंट शक्ति की अनिवार्यता तीव्रता के साथ महसूस की जा रही है, तथा सीमेंट उत्पादन कार्य में वित्त महत्वपूर्ण है, जिसका

 Copyright ⓒ 2020Authors

उचित मूल्यांकन होना आवश्यक है। उन्होंने इस अध्ययन में 3 अनुवर्तीय वर्षों 1985–86 से 1989–90 को आधार मानकर वित्तीय समीक्षा का प्रयास किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में संस्था के पूर्ण निर्मित, अर्द्धनिर्मित इकाईयों निर्माण कार्य की प्रगति तथा अंततः आयोजित इकाईयों की पूर्णता आदि को वित्तीय मूल्यांकन हेतु शामिल किया है। वे अपने शोधकार्य में इस निष्कर्ष पर पहुंचते है कि लाफार्ज सीमेंट संयंत्र इकाई को अपनी स्थापना काल में सीमित सफलता मिल पाई है, तथा उसे अनेकानेक वित्तीय कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है, किन्तु उसमें रंग मात्र भी जड़ता नहीं आ पाई है।

''भिलाई इस्पात संयंत्र का वित्तीय प्रबंध एवं वित्तीय विश्लेषण'' शीर्षक के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के वित्तीय विवरणों एवं वित्तीय विश्लेषणों के अध्ययन के आधार पर वित्तीय संगठन, पूंजी संरचना, विकय, विभिन्न व्यय लाभालाभ, स्कंध, कार्यशील पूंजी लागत अध्ययन, बजट, शोधन क्षमता, वित्तीय स्थिति का विश्लेषण पूर्ण रूप से किया गया है। साथ ही समकक्ष संयंत्रों के वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बताते है, क्योंकि इसकी कुल संपत्तियों का कुल दायित्वों के साथ अनुपात 1:22:1 है, और संयंत्र के आंतरिक पूंजी के निर्माण की दर संतोषप्रद बतायी गयी है।

(4) अध्ययनके उद्देश्य

लाफार्जएवं अंबुजा सीमेंट संयत्रों वित्तीय आय एवं व्ययों का तुलनात्मक अध्ययन।

(5) अध्ययनके परिकल्पनायें

Copyright © 2020Authors

1 लाफार्ज सीमेंट उद्योग की अपेक्षा अंबुजा सीमेंट संयंत्र की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ है।

2 लाफार्ज एव अंबुजा सीमेंट संयंत्रों के सकल लाभ अनुपात कार्यकुशलता एवं व्ययों के नियंत्रणपरतुलनात्मकअध्ययन।

(6)समंकों कासंकलन:-

प्रस्तुतअध्ययन मेंआवश्यक समंकों को प्राथमिक व द्वितीयक दोंनों ही

स्रोतों से एकत्रित किया गया है। प्राथमिक समंको के अंतर्गत सीमेंट उत्पादन कंपनी कार्पोरेशन के कर्मचारी व अधिकारियों से जानकारी एकत्र की गयी है। इसमें साक्षात्कार, अवलोकन पद्धति का प्रयोग किया गया है।

द्वितीयक समंको की प्राप्ति के लिए प्रकाशित पॉच वार्षिक प्रतिवेदन, शोध, प्रतिवेदन, पत्र–पत्रिकाओं के साथ ही सीमेंट उत्पादन कंपनी के वेबसाइड से जानकारी प्राप्त की गई है।

प्रतिदर्श:-प्रस्तुतअध्ययनमें समान समंको का विश्लेषण करने के लिए

समंक का सदैव निर्देशन पद्धति द्वारा चुनाव किया गया है।

(7)आंकड़ों का विश्लेषण :–प्रस्तुतअध्ययनमेंशोधार्थीने एकत्रित किये समंको का समुचित वर्गीकरण, सारणीयन एवं विश्लेषण कर निष्कर्ष पर पहुंचने का प्रयास किया है। इसके लिये विभिन्न सांख्यिकीय एवं गणितीय विधियों तथा औसत प्रतिशत आदि का उपयोग करने के

Copyright © 2020Authors

साथ–साथ समंको का सचित्र निरूपण हेतु विभिन्न रेखाचित्र, ग्राफों आदि का भी उपयोग किया गया है।

अ. लाफार्ज सीमेंट उद्योग का वित्तीय प्रबंध :–

लाफार्ज सीमेंट उद्योग निजी क्षेत्र का संस्थान है इस संस्थान की अधिकृत पूंजी 1,50,000 पूर्वाधिकार अंशों में प्रति अंश 100 रूपये अर्थात 1,50,00,000 रूपये की है, इस संस्थान के पूंजी के स्रोत में दूसरे कम में संस्थान का मुख्यालय लाफार्ज (रेमण्ड उलन मिल्स लिमिटेड है) इसके अतिरिक्त पूंजी के अन्य साधनों में सुरक्षित एवं असुरक्षित ऋण भी शामिल है। संस्थान के द्वारा वित्तीय नियोजन हेतु आई.सी.आई.सी.आई, एम.पी.ए.वी.एन. एवं अन्य बैकों के द्वारा सहायता प्राप्त की गयी है।

ब. पूंजी एवं पूंजीकरण :–

पूंजी की विभिन्न धारणाओ के आधार पर लाफार्ज सीमेंट उद्योग की पूंजी को निम्न प्रकार से दर्शाया गया है।

अ. वैधानिक पूंजी–

वैधानिक पूंजी = निर्गमित अंश पत्र + संजय एवं अतिरेक

सारणी –2
लाफार्ज सीमेंट उद्योग की पूंजी के प्रकार को दशार्या गया है

वर्ष	पूर्वाधिकार अंश	संचय एवं अतिरेक	वैधानिक पूंजी	वृद्धि
2001	1,50,00,000	16,38,32,000	17,88,32,000	–
2002	1,50,00,000	16,63,32,000	18,13,32,000	25,00,000
2003	1,50,00,000	17,18,02,000	18,68,02,000	54,70,000

Copyright © 2020Authors

2004	1,50,00,000	34,44,31,385	35,94,31,384	17,26,29,384
2005	1,50,00,000	66,66,73,221	68,16,73,220	32,22,41,863

स्रोत–कंपनी की स्थिति विवरण के आधार पर निर्मित

उक्त सारणी में लाफार्ज सीमेंट उद्योग की वैधानिक पूंजी की गणना की गयी है, जिसमें स्पष्ट हो रहा है कि संयंत्र की वैधानिक पूंजी निरंतर वृद्धि हो रही है, अतः 2004 से 2005 में संयंत्र की वैधानिक पूंजी में 322, 241, 863 की वृद्धि हुई है।

ब. व्यवसायिक पूंजी :–

सारणी कमांक 3
व्यवसायिक पूंजी का विवरण

वर्ष	स्थायी सम्पतियां	विनियोग	चल संपत्तियॉ	व्यवसायिक पूंजी
2001	73,96,77,880	39,000	22,74,60,616	96,71,77,416
2002	68,60,17,495	39,000	33,36,88,586	1,01,97,45,081
2003	64,23,92,354	39,000	33,19,23,942	97,43,55,296
2004	59,39,76,821	37,000	39,62,83,850	99,02,97,671
2005	63,31,33,291	37,000	51,36,35,016	1,14,68,05,307

स्रोत–कंपनी की स्थिति विवरण के आधार पर निर्मित

उक्त सारणी के माध्यम व्यवसायिक पूंजी की गणना की गयी है। इसमें लगायी सम्पतियॉ विनियोग एवं चल सम्पतियों को सम्मिलित किया गया है।

संयंत्र की व्यवसायिक पूंजी 2001–02 में 96,71,77 लाख थी, वर्ष 2005 में 11,468.05 लाख हो गयी अर्थात इन पॉच वर्षों के अंतराल में

Copyright © 2020Authors

ISSN 2454-2695
Vol 06 Issue 11 November 2020

संयंत्र की स्थायी सम्पत्तियों एवं चल दायित्वों में 17,96.28 लाख की वृद्धि हुई है जो कि संयत्र के प्रगति का प्रतिक है।

अर्थशास्त्रीय पूंजी :–

स्थायी संपत्तियॉ – भूमि + स्टाक + रोक एवं बैंक =अर्थशास्त्रीय पूंजी

सारणी 4
अर्थशास्त्रीय पूंजी का विवरण

वर्ष	स्थायी सम्पतियां	स्टाक	रोक एवं बैंक	अर्थशास्त्रीय पूंजी
2001	73,45,93,458	9,20,26,870	3,35,46,905	86,01,67,233
2002	60,08,53,488	10,46,63,261	5,75,00,058	64,30,17,607
2003	63,55,44,328	9,73,42,268	5,36,64,877	78,65,51,473
2004	49,90,66,149	14,46,59,767	5,54,40,175	69,91,66,091
2005	53,67,52,191	21,86,35,229	6,08,11,509	81,61,98,928

स्रोत–कंपनी की स्थिति विवरण के आधार पर निर्मित

उक्त सारणी में लाफार्ज सीमेंट उद्योग की अर्थशास्त्रीय पूंजी की गणना की गयी है स्थायी सम्पत्तियों जिसमें भूमि को छोड़ दिया गया है। तथा स्टाक एवं रोक एवं बैंक को सम्मलित किया गया है।

संयंत्र की अर्थशास्त्रीय पूंजी सारणी अनुसार 2001–02 में 86,01.67 लाख की जबकि 2004–05 में 81,61.98 लाख रूपये है। इसमें प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है जिसमें स्पष्ट हो रहा है जिसमें प्रतिवर्ष स्थायी

Copyright © 2020Authors

सम्पत्तियों में वृद्धि हो रही है तथा स्टाक में भी वृद्धि हो रही है। अर्थात उत्पादन में भी वृद्धि संयंत्र की प्रगति को दर्शाता है।

वित्तय नियंत्रण – सैद्धांतिक विवेचना

सैद्धांतिक विवेचना किसी भी व्यवसायिक संस्थान के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई योजनायें यथाविधि कार्यान्वित की जा रही है अथवा नहीं, यह जानने के लिए उसकी जांच पड़ताल करके उसमें आवश्यक सुधार करना प्रबंधकीय नियंत्रण कहलाता है। नियंत्रण पथ–प्रदर्शन एवं नियमन कार्य करता है। वित्तीय नियंत्रण, प्रबंधकीय नियंत्रण की ही एक महत्वपूर्ण शाखा है, इसके अंतर्गत वित्तय व्यवस्था से संबंधित योजनाओं एवं कार्यान्वयन का मूल्यांकन पूर्व निर्धारित लक्ष्यों के आधार पर की जाती है, एवं कमियां या त्रुटियों के लिए सुधारात्मक कार्यवाही की जाती है।

संभाग में कार्यरत सभी वृहद एवं मध्यम एवं लघु आकार की सीमेंट संयंत्रों द्वारा उक्त तकनीकियों में अंकेक्षण द्वारा नियंत्रण या अंकेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार नियंत्रण कार्य किया जाता है, वृहद इकाईयां परिव्यय नियंत्रण एवं बजटरी नियंत्रण का उपयोग भी करती है।

सारणी क्रमांक –5

लाभालाभ लेखे की मदों का प्रवृत्ति प्रतिशत विश्लेषण विधि द्वारा विश्लेषण

विवरण	2000–01	2001–02	2002–03	2003–04	2004–05
विक्रय	100	127.56	150.36	228.42	282.59
प्रयुक्त सामग्री	100	117.14	149.55	216.80	289.58
निर्माण व्यय	100	125.62	148.37	184.01	222.28
रोजगार लागत	100	113.50	145.23	153.27	167.99
उत्पादन कर	100	112.99	130.35	156.54	168.20

Copyright © 2020Authors

बेची गई वस्तुओं की लागत	100	121.09	145.89	175.18	204.97
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	100	99.68	101.75	693.96	837.17
कमीशन	100	111.32	129.21	171.03	139.74
ब्याज	100	92.17	112.21	78.75	93.07
अवक्षयण	100	107.60	104.21	109.99	117.50

(1) प्रयुक्त सामग्री व्यय पर नियंत्रण

संस्थान के सामग्री व्ययों में सारणी के अनुसार वर्ष 2000–01 से 2004–05 तक क्रमशः 17.14 प्रतिशत, 49.55 प्रतिशत, 116.80 प्रतिशत, 189.58 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, यह वृद्धि अधिक प्रतीत होती है, परंतु उत्पादन एवं विक्रय में इन वर्षों में क्रमशः 27.56 प्रतिशत, 50.36 प्रतिशत, 128.42 प्रतिशत, 182.59 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अतः उत्पादन एवं विक्रय की तुलना में सामग्री व्ययों के वृद्धि पर नियंत्रण स्पष्ट परिलक्षित हो रही है। इसी तरह सारणी के अनुसार व्ययों का प्रतिशत वर्ष 2000–01 से 2004–05 तक क्रमशः 7 प्रतिशत, 6.5 प्रतिशत, 7.1 प्रतिशत, 6.8 प्रतिशत एवं 7.3 प्रतिशत है, जो कि लगभग 7 प्रतिशत के लगभग प्रतिवर्ष है, इससे स्पष्ट है कि संस्थान द्वारा सामग्री व्ययों पर पूर्ण नियंत्रण रखा गया है।

(2) रोजगार लागत पर नियंत्रण

संस्थान की रोजगार लागत में सारणी क्रमांक 5 के अनुसार वर्ष 2000–01 की तुलना में 2001–02 से 2004–05 तक क्रमशः 13.50 प्रतिशत, 45.23 प्रतिशत, 67.99 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्पादन एवं मूल्यों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट होता है कि रोजगार लागत पर नियंत्रण रखा गया है, साथ ही उत्पादन वृद्धि की तुलना में

Copyright © 2020Authors

इसमें कम वृद्धि हुई है, जो कि कुशल नियंत्रण एवं कुशल वित्तीय प्रबंध का प्रतीक है।

(3) निर्माणी व्ययों पर नियंत्रण

संस्थान अपने निर्माणी व्ययों पर भी नियंत्रण रखने में सफल हुआ है। सारणी क्रमांक 5 के अनुसार वर्ष 2000–01 की तुलना में 2001–02 से 2004–05 तक निर्माणी व्ययों में क्रमशः 25.62 प्रतिशत, 48.37 प्रतिशत, 84.01 प्रतिशत एवं 122.28 प्रतिशत की उत्पादन एवं विक्रय की तुलना में निर्माणी व्ययों में कम वृद्धि हुई है। इसी तरह सारणी क्रमांक 1 के अनुसार वर्ष 2000–01 से 2004–05 तक निर्माणी व्यय क्रमशः 41. 68 प्रतिशत, 41.04 प्रतिशत, 41.13 प्रतिशत, 33.57 प्रतिशत एवं 32.78 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि वर्ष 2003–04 एवं 2004–05 में इनमें लगभग 8 प्रतिशत की कमी आयी है। अतः निर्माणी व्ययों पर पूर्ण नियंत्रण किया गया है, यह कुशल वित्तीय नियंत्रण का परिणाम है।

(4) चल दायित्वों एवं चल सम्पत्तियों पर नियंत्रण

संस्थान के चल अनुपात की गणना सारणी क्रमांक 5 की गई है, जिसके अनुसार संस्थान का चल अनुपात वर्ष 2000–01 से 2004–05 तक क्रमशः 1.25:1, 1.44:1, 1.28:1, 1.16:1 एवं 1.22:1 है अर्थात् चल सम्पत्तियां चल दायित्व से अधिक है, परंतु आदर्श स्थिति अर्थात् 2:1 के करीब नहीं है। अल्कालीन दायित्वों का भुगतान तो कर सकने में समर्थ है, परंतु भुगतान करने में उसे कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि चल सम्पत्तियों में स्कन्ध सम्मिलित होता है, एवं स्कंध तुरंत तरलता का प्राप्त नहीं करता, विक्रय के बाद ही तरल कोष

Copyright © 2020Authors

में परिवर्तित होता है। अतः संस्थान चल सम्पत्ति एवं चल दायित्व के अनुपात में सुधार एवं नियंत्रण की आवश्यकता है।

(5) तरल अनुपात पर नियंत्रण

संस्थान का तरल अनुपात सारणी क्रमांक 5के अनुसार वर्ष 2000–01 से 2004–05 तक क्रमशः .74:1, .53:1, .31:1, .73:1 एवं .70:1 है, जबकि आदर्श के निकट अर्थात् 1:1 से कुछ कम अर्थात् अल्पकालीन शोधन क्षमता में सुधार के लिए उक्त तरल अनुपात को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

(6) रोक अनुपात पर नियंत्रण

संस्थान का रोक अनुपात सारणी क्रमांक 5 के अनुसार वर्ष 2000–01 से 2004–05 तक क्रमशः 6.77:1, 5.80:1, 6.18:1, 7.27:1 एवं 8.44:1 है, अर्थात् चल सम्पत्तियों की तुलना में रोक का अनुपात प्रतिवर्ष कम हो रहा है, इस पर नियंत्रण का अभाव प्रतीत हो रहा है। अतः रोक पर नियंत्रण की आवश्यकता है।

(7) स्वामित्व कोष एवं कुल सम्पत्तियों का अनुपात एवं नियंत्रण

स्वामित्व अनुपात की गणना सारणी क्रमांक 5 में की गयी है, जिसके अनुसार वर्ष 2000–01 से 2004–05 तक स्वामित्व कोष एवं कुल सम्पत्तियों के लगभग 33 प्रतिशत भाग के लिए ऋण पूंजी/कोष का उपयोग किया गया है। अतः उक्त अनुपात को नियंत्रित रखने एवं इस अनुपात में सुधार के लिए उपाय करना आवश्यक है।

(8) सकल लाभ

Copyright © 2020Authors

संस्थान के सकल लाभ का प्रतिशत सारणी क्रमांक 5के अनुसार वर्ष 2000–01 से 2004–05 तक क्रमशः 24.61 प्रतिशत, 28.43 प्रतिशत, 26.84 प्रतिशत, 42.18 प्रतिशत, 45.31 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि संस्थान के सकल लाभ के प्रतिशत में निरंतर वृद्धि हो रही है, जो कि संस्थान के उत्पादन लागत पर पूर्ण नियंत्रण का प्रतीक है तथा संस्थान के कुशल वित्तीय प्रबंधकीय क्षमता एवं नियंत्रण का परिणाम है।

उपर्युक्त वित्तीय नियंत्रण के परीक्षणों से स्पष्ट है कि संस्थान की दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन संशोधन क्षमता पूर्ण संतोषजनक नहीं है, इसको पूर्ण संतोषजनक बनाने के लिए दीर्घकालीन ऋणों एवं चल दायित्वों पर पूर्ण नियंत्रण नहीं है, व्ययों पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त किया गया है। अतः सकल लाभ में वृद्धि हो रही है।

सारणी क्रमांक –6

वर्ष	सूत्र में मान भरने पर	प्राप्त अनुपात	विशेष
2000–01	2049.53 ––––––––––' 100 8327.79	24.61:	
2001–02	3020.30 ––––––––––' 100 10622.64	28.43:	
2002–03	3361.59 ––––––––––' 100 12521.32	26.84:	
2003–04	8025.58 ––––––––––' 100 19023.85	42.18:	
2004–05	10646.76 ––––––––––' 100 23532.99	45.31:	

तुलनात्मक कार्यशील पूंजी का आवर्तन अनुपात

Copyright © 2020Authors

दोनों सीमेंट इकाईयों का कार्यशील पूंजी आवर्तन निम्न सारणी के माध्मम से स्पष्ट है।

सारणी क्रमांक –7

तुलनात्मक कार्यशील पूंजी का आवर्तन अनुपात

वर्ष	लाफार्ज सीमेंट वर्क्स	अंबुजा सीमेंट वर्क्स
2000–01	18.00 : 1	10.32 : 1
2001–02	10.27 : 1	6.70 : 1
2002–03	16.80 : 1	4.89 : 1
12003–04	34.30 : 1	4.86 : 1
2004–05	25.37 : 1	3.34 : 1

उक्त सारणी से स्पष्ट है कि लाफार्ज सीमेंट वर्क्स कार्यशील पूंजी का अधिक बार उपयोग करने में सफल हुआ है। अर्थात् कहा जा सकता है कि लाफार्ज सीमेंट वर्क्स अधिक कार्यकुशलता से कार्य कर रहा है।

तुलनात्मक सकल लाभ अनुपात

दोनों सीमेंट इकाईयों के सकल लाभ को उक्त सारणी के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है।

सारणी क्रमांक –8

तुलनात्मक सकल लाभ अनुपात

वर्ष	लाफार्ज सीमेंट वर्क्स	अंबुजा सीमेंट वर्क्स
2000–01	24.61:	28.68:
2001–02	28.43:	26.71:

Copyright © 2020Authors

2002—03	26.84:	26.67:
12003—04	42.18:	27.87:
2004—05	45.31:	22.21:

रेखाचित्र क्रमांक —1
तुलनात्मक सकल लाभ अनुपात

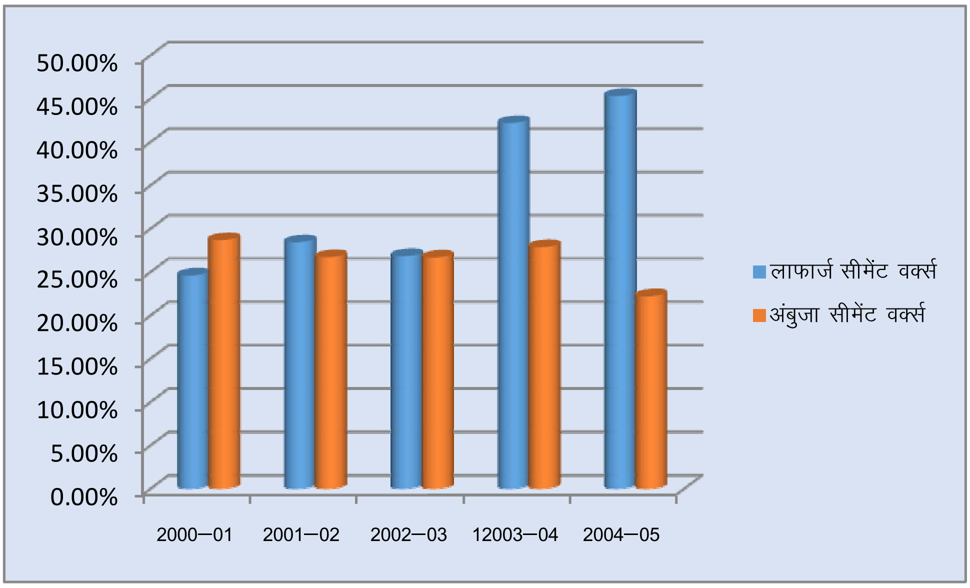

उक्त सारणी से स्पष्ट है कि दोनों सीमेंट इकाईयों लाफार्ज सीमेंट वर्क्स एवं अंबुजा सीमेंट वर्क्स प्रतिवर्ष लाभ अर्जित करने में सफल रही है, जो कि इनकी अच्छी कार्यकुशलता एवं व्ययों के नियंत्रण को स्पष्ट कर रही है।

(8) लाफार्ज एवं अम्बुजा सीमेंट उद्योग की समस्याएं :—

1. संस्थान की पूंजी संरचना समता पर व्यापार पर आधारित है, अर्थात् पूंजी संरचना के निर्माण में केवल स्थिर लागत वाली पूंजी का ही उपयोग किया गया है।

Copyright © 2020Authors

2. संस्थान का चल अनुपात आदर्श के अनुरूप नहीं है परंतु चल सम्पत्तियॉ चल दायित्वों से अधिक है। अर्थात् संस्थान द्वारा चल दायित्वों का भुगतान तो किया जा सकता है, परंतु अल्पकालीन शोधन क्षमता की स्थिति को पूर्णतः संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है।
3. संस्थान का तरल अनुपात आदर्श अनुपात से कुछ कम है, परंतु संस्थान के पास वर्ष के अन्त में पर्याप्त रोकड़ शेष होता है, जिसमें स्पष्ट है, कि संस्थान अपने तरल दायित्वों का भुगतान सरलता से करने में सक्षम है।
4. संस्थान की कुल सम्पत्तियों में लगभग 33 प्रतिशत भाग के लिए स्वामित्व पूंजी का उपयोग किया गया है, तथा लगभग 66 प्रतिशत भाग के लिए दीर्घकालीन ऋणों का उपयोग किया गया है, अर्थात कुल सम्पत्तियों की तुलना में ऋण कम है, अतः संस्थान अपने बाह्य दायित्वों का भूगतान करने में समर्थ है।

(9) निष्कर्ष:

प्रस्तुत अध्ययन में लाफार्ज सीमेंट गोपालनगर अकलतरा जांजगीर चांपा जिला व अंबुजा सीमेंट संयंत्र रवान भाटापारा बलौदाबाजार जिला लिमिटेड के लेखांकनों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है और उनके आधार पर निष्कर्ष निकलता है कि लाफार्ज सीमेंट संयंत्र कंपनी की वित्तीय प्रबंध अंबुजा सीमेंट संयंत्र की तुलना में बेहतर है। लाफार्ज सीमेंट वर्क्स एवं अंबुजा सीमेंट वर्क्स प्रतिवर्ष लाभ अर्जित

Copyright © 2020Authors

करने में सफल रही है, जो कि इनकी अच्छी कार्यकुशलता एवं व्ययों के नियंत्रण को स्पष्ट कर रही है।

संदर्भ

1. खान, एम. वी. एण्ड जैन, पी. के. ''फाइनेशियल मैनेजमेंट'' टाटा मेक्ग्रोव हिल पब्लिकेशिंग कंपनी लिमिटेड बाम्बे 1984।
2. अग्रवाल एन.पी., ''एनालिसिस ऑफ फाइनेंशियल स्टेटमेंट,'' नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 198।
3. अग्रवाल एन. के, ''मैनेजमेंट ऑफ वर्किंग केपिटल'',नई दिल्ली, स्टेरलिंग पब्लिशरस (पी.) लता 1982।
4. अग्रवाल,डॉ बी.पी. और मेहता, डॉ. बी.के. प्रिंसिपल एण्ड प्रेक्टिस ऑफ मैनेजमेंट एकाउंटिंग'' एस.बी.पी.डी. प्रकाशन आगरा 2011।
5. एल. चाडविक ''वित्तीय लेखा का सार'' प्रकाशन पी.एच.आई.।
6. मार्क बेटनर, विलियनंस ''वित्तीय व प्रबंधकी लेखांकन।
7. मेहता दिलीप आर. ''वर्किंग केपिटल मैनेजमेंट एंगलवूड क्लीफ '' न्यू जर्सी प्रिंटिंगस हाल 1974।
8. हार्न, जेम्स सी. वेन ''फंडामेन्टल ऑफ फाइनेशियल मैनेजमेंट'' प्रीन्टेसेज हाल नई दिल्ली 1978।
9. एंथोनी, आर.एन. एण्ड रिच, जे.एस. ''मैनेजमेंट एकाउंटिंग, टेक्स एण्ड केसेस,'' होमऊवा इलीनोईस : रिचरा डी. इरविन, 1975।
10. बाओजेन, आई. जुल्स, फाइनेंशियल मैनेजमेंट ऑफ इंडियन रेल्वे,'' जयपुर ।

Copyright © 2020Authors